सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

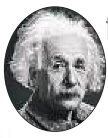

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं कि उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 294 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 2 दिसम्बर, 2025

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से... 7 | बीएलओ के मौतों पर सियासी... 3 | लोकतंत्र से खिलवाड़ कर रही... 2

सदन में कोहराम, सड़क पर समस्याएं आम

राास स्थगित, लोस में स्पीकर उखड़े

विपक्ष आर-पार की लड़ाई के मूड में

» एसआईआर रोकने के बजाए सरकार दिल्ली में लागू करने की कर रही तैयारी

» संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन को लेकर संसद से सड़क तक हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही देश को उम्मीद थी कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, गिरती अर्थव्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और राज्यों की वित्तीय परेशानियों पर गंभीर चर्चा होगी। लेकिन सत्र की पहली सुबह का दृश्य कुछ और बोलता दिखा संसद के अंदर बहस नहीं बल्कि सड़क पर आंदोलन की तस्वीरे समाने आयी।

विपक्ष सड़क पर खड़ा है, सरकार सत्ता के किले में बंद दिखायी दे रहा है। शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन भी हंगामेदार रहा। सरकार और विपक्ष के बीच किसी भी स्तर पर संवाद नहीं बन पाया। सुबह की शुरूआत एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी और लेफ्ट पार्टियों के संयुक्त प्रदर्शन से हुई। वहीं संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन को लेकर संसद से सड़क तक हंगामा मच गया।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दी हिदायत

लोकसभा में जारी हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बार-बार सांसदों से उनके स्थानों पर लौटने और सदन की कार्यवाही जारी रखने का अनुरोध किया, लेकिन नारेबाजी लगातार जारी रही। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पीकर ने कहा कि आज जो व्यवहार मैं सदन और सदन के बाहर देख रहा हूं जिसमें सांसद संसद के बारे में बोल रहे हैं वह न केवल संसद के खिलाफ है बल्कि देश के खिलाफ भी है। लोकतंत्र में विपक्ष होता है लेकिन गौरव और शिष्टाचार होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जो दुनिया का मार्गदर्शन करता है हमारी संसदीय परंपराएं और गरिमा उच्चतम स्तर की होनी चाहिए। सदन में विरोध का स्वर कम नहीं हुआ और सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बता दें कि शीतकालीन सत्र की शुरुआत उथल-पुथल भरे माहौल में हुई थी सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों को असंयमित व्यवहार से बचने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि संसद में ड्रामा नहीं होना चाहिए और संसदीय ध्यान नीति निर्माण पर होना चाहिए न कि नारेबाजी पर।

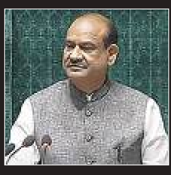

एसआईआर में लोग मर रहे स्थिति गंभीर : खरगे

सदन में बोलते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कई सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। संसदीय परंपरा के मुताबिक नोटिस देने वाले इन सदस्यों के नाम तथा उनके मुद्दों को सदन में बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम एसआईआर पर एक गंभीर चर्चा चाहते हैं। लोग मर रहे हैं स्थिति गंभीर है। खरगे ने कहा कि लगभग 28 लोगों की मौत हो चुकी है। यह अत्यंत जरूरी विषय है। सदन में इस विषय पर अविलंब चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने राज्यसभा के सभापति से आग्रह किया कि लोकतंत्र, जनता और देशहित में इस विषय पर तुरंत चर्चा की अनुमति दी जाए। वहीं सदन में हो रहे हंगामे पर राज्यसभा के सभापति ने कहा कि जब तक सदन सुव्यवस्थित नहीं होगा, वे सभी सदस्यों को नहीं सुन सकते। उन्होंने कहा कि खरगे द्वारा उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने तुरंत संसदीय कार्य मंत्री से प्रतिक्रिया मांगी थी और मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए समय मांगा है।

राज्यसभा में हंगामा, स्थगित

एसआईआर पर चर्चा के लिए आज राज्यसभा में भी भारी हंगामा देखने को मिला। विपक्षी दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर तुरंत चर्चा कराए जाने की मांग रखी। विपक्ष ने अपनी इस मांग को लेकर सदन में जमकर विरोध किया और जोरदार नारेबाजी की। विपक्ष के इस हंगामे के बीच कुछ देर सदन की कार्यवाही चली लेकिन सदन में हंगामा जारी रहने पर सभापति ने सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। दरअसल विपक्ष के कई सदस्यों ने नियम 267 के अंतर्गत चर्चा के लिए नोटिस दिया था।

देश को तानाशाही की तरफ ले जा रहे : प्रियंका गांधी

संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉलेशन को लेकर संसद से सड़क तक हंगामा मच गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने इसे प्राइवेसी का उल्लंघन बताया है। प्रियंका गांधी ने कहा है कि फ्रॉड की रिपोर्टिंग और लोगों की प्राइवेसी का उल्लंघन करने के बीच एक महीन लाइन है और हाल के ऑर्डर में प्राइवेसी का उल्लंघन किया गया है। दरअसल, डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन्स के भारत में बने या इंपोर्ट किए गए सभी मोबाइल हैंडसेट में संचार साथी ऐप का प्री-इंस्टॉलेशन जरूरी करने के कदम से सियासी हंगामा मच गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने उस हालिया ऑर्डर की आलोचना की, जिसमें सभी मोबाइल में साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग ऐप संचार साथी का प्री-इंस्टॉलेशन जरूरी कर दिया गया है।

डेमोक्रे सी का ड्रामा करने वाले हमें लेक्चर नहीं दे सकते : प्रियंका चतुर्वेदी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष एसआईआर के विषय पर चर्चा की मांग को लेकर अड़ा है। सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही से पहले शिवसेना-यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो लोग ड्रामा की बात करते हैं और डेमोक्रेसी का ड्रामा करते हैं वह लोग हमें लेक्चर नहीं दे सकते। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अगर आप एसआईआर करना चाहते हैं, तो देखिए कि इसे कैसे लागू किया जा रहा है। बीएलओ लगातार भेजे जा रहे हैं और 30 से ज्यादा लोग मर चुके हैं। इससे पता चलता है कि किस तरह का दबाव और टारगेट थोपा जा रहा है।

संचार साथी ऐप ऑप्शनल, यूजर्स कर सकते हैं डिलीट : ज्योतिरादित्य

संचार साथी ऐप को अपने मोबाइल फोन में रखना अनिवार्य नहीं है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि संचार साथी ऐप ऑप्शनल है, अगर कोई चाहे, तो इसे अपने मोबाइल फोन से हटा भी सकता है। इसके जरिए न कोई स्नूपिंग होगा ना कॉल मॉनिटरिंग होगी। विपक्ष बेवजह इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सभी नये मोबाइल उपकरणों में धोखाधड़ी की सूचना देने वाला ऐप 'संचार साथी पहले से मौजूद होना चाहिए।

लोकतंत्र से खिलवाड़ कर रही है बीजेपी: अखिलेश

» यूपी में एसआईआर की जल्दबाजी पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने भाजपा, चुनाव आयोग व पीएम मोदी पर तीखा प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने एसआईआर प्रक्रि या की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय वोट काटने के लिए है। उन्होंने बीएलओ पर बढ़ते तनाव और फॉर्म भरने में असमर्थता का भी उल्लेख किया, और उत्तर प्रदेश में एसआईआर की जल्दबाजी पर सवाल उठाया।

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए नहीं, बल्कि कुछ लोगों के वोट काटने के लिए चलाई जा रही है। समाजवादी सांसद ने आगे आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में बीएलओ भारी तनाव में हैं और फॉर्म भी नहीं भर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब उत्तर प्रदेश में कोई चुनाव नहीं है, तो एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने की इतनी जल्दी क्यों है। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक के दलों ने आज संसद के दोनों सदनों में एसआईआर का मुद्दा उठाने का फैसला किया है। सभी दलों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है कि एसआईआर को प्राथमिक एजेंडा माना जाएगा और चालू शीतकालीन सत्र के दौरान इस पर सबसे पहले बहस की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण चला रहा है, जिसकी अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित होने वाली है। एसआईआर का पहला चरण बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सितंबर में पूरा हो गया था। इस अभ्यास में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

वोट का अधिकार हमसे न छीना जाए

यादव ने कहा कि लोकतंत्र तभी मज़बूत होगा जब हमारा वोट का अधिकार हमसे न छीना जाए... एसआईआर की चिंता आज सच होती जा रही है। अगर वोट कट गया, तो कोई व्यक्ति अपना सपना कैसे पूरा करेगा... मुझे जानकारी मिली है कि उन्होंने (भाजपा) नोएडा स्थित बड़ी आईटी कंपनियों को काम पर रखा है, और उनके ज़रिए उनके पास (उत्तर प्रदेश में) मतदाता सूची का विवरण है। यह चल रही एसआईआर लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए नहीं, बल्कि वोट काटने के लिए है। ज़मीनी स्तर पर, बीएलओ फ़ॉर्म भी नहीं भर पा रहे हैं; उनमें से कई तनाव में हैं... जब उत्तर प्रदेश में तुरंत कोई चुनाव नहीं है, तो इतनी जल्दी क्यों?

एसआईआर पर कड़ा रुख अपनाना होगा

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद ई.टी. मोहम्मद बशीर ने संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान एसआईआर प्रक्रि या पर कड़ा रुख अपनाने का आह्वान किया। आईयूएमएल सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने संसद में एसआईआर प्रक्रि या पर चर्चा करने पर विचार नहीं किया है। बशीर ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें एसआईआर पर कड़ा रुख अपनाना होगा। हमने बहुत कोशिश की है, फिर भी उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस पर ठीक से विचार नहीं किया है। आर्थिक मोर्चे पर कई और मुद्दे भी हैं।

किसानों को मुआवजा नहीं मिलने तक प्रदर्शन जारी रहेगा: सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष ने कहा- चिड़िया किसान का दाना खाकर मोटी हो गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने कहा कि चिड़िया किसान का दाना खाकर मोटी हो गई। लेकिन सरकार किसानों पर चर्चा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रही है। जब तक किसानों को मुआवजा नहीं मिलेगा, प्रदर्शन जारी रहेगा। बताएं किसानों की समस्याओं और कर्ज माफी के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने तीखा प्रदर्शन किया है।

उनका आरोप है कि सरकार किसानों की दुर्दशा के बीच मस्ती में है और किसानों की समस्याओं पर कोई गंभीर कदम नहीं उठा रही। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने 'चिड़िया चुग गई खेत' का सांकेतिक प्रदर्शन किया। वे हाथों में सांकेतिक चिड़िया लेकर विरोध जताते हुए पहुंचे और सरकार की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया विधायकों का कहना है कि किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं, लेकिन सरकार राहत देने में नाकाम रही है। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र जारी है। वहीं, दूसरे दिन कांग्रेस ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रदर्शन करके सरकार को घेर रही है। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि अतिवृष्टि में जो किसानों का नुकसान हुआ है। सरकार उसका मुआवजा नहीं दे रही है। किसानों को न मंडी में भाव मिल रहा है न उन्हें खाद मिल रही है। किसान लगातार मजबूर है लेकिन सरकार सुनने को तैयार नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया चुनाव आयोग कर रहा है, न कि भाजपा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बेवजह आरोप लगाती है। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोलती है। पाकिस्तान में जो बोला जाता है, राहुल गांधी अगले दिन भारत में वही बयान देते हैं। किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसानों के लिए कुछ नहीं किया, जबकि भाजपा सरकार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लेकर कई योजनाओं का लाभ दे रही है।

सदन नहीं चलने से लोगों में होती निराशा: गुलाम नबी

» बोले डीपीएपी अध्यक्ष- मुद्दों पर बात का रहता है इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

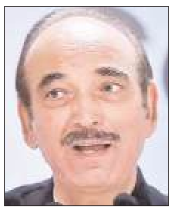

लखनऊ। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद सोमवार को राजधानी लखनऊ पहुंचे। उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि सदन नहीं चल रहा है। मेरी हमेशा कोशिश रही है कि सदन चले। सदन चलने के लिए और लोगों की आवाज उठाने के लिए है।

उन्होंने कहा कि लोग इंतजार करते हैं कि सत्र कब चलेगा। किसान सोचता है कि वहां हमारे मुद्दों पर बात होगी। मजदूर और गरीब सोचता है कि उनके बारे में बात होगी। लेकिन, सदन चल ही नहीं पाता तो लोगों को बहुत निराशा होती है। उन्होंने आगे कहा कि जब विपक्ष वॉकआउट करते हैं तो वो सरकार की मदद करते हैं, वो सरकार के खिलाफ नहीं होता। क्योंकि, जब विपक्ष चला जाता था तो बिल का विरोध करने के लिए कोई नहीं होता है और बिल पास हो जाता है। वो सरकार को बिल पास करने का मौका देते हैं।

गांधी परिवार को फंसाने की हो रही है कोशिश: खरगे

» नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष का भाजपा पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में नई एफआईआर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जिसमें उन्होंने सरकार पर तथ्यों के कमजोर पड़ने पर नाटकीयता का सहारा लेने और विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। खरगे को उम्मीद है कि न्यायपालिका इस कथित राजनीतिक मकसद को समझेगी, जबकि अदालत ने मामले में ईडी के आरोपपत्र पर फैसले को 16 दिसंबर तक टाल दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को 12 साल पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज होने के बाद राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी सरकार और ईडी ने नए आरोपों का इस्तेमाल किया है और विरोधियों को निशाना बनाने के लिए चुनिंदा अभियोजन और नए सिरे से आरोप लगाने का सहारा लिया है। एक पोस्ट में, खरगे ने लिखा कि 12 साल बाद और अचानक गांधी परिवार पर पुराने मामले में कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने वाली एक नई एफआईआर। सिर्फ इसलिए क्योंकि मोदी सरकार और ईडी के पास नए आरोपों का भंडार खत्म हो गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि जब तथ्य कमज़ोर पड़ गए, तो नाटकीयता का सहारा लिया गया- चुनिंदा अभियोजन, बार-बार लगाए गए आरोप, और विरोधियों को कठघरे में खड़ा करने की एक छिपी हुई कोशिश। खड़गे ने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायपालिका इस कदम के पीछे छिपे कथित राजनीतिक मकसद को पहचान लेगी। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि न्यायपालिका इस राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न की नासमझ कोशिशों को समझ लेगी! इस बीच, दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने या न लेने के फैसले को फिर से स्थगित कर दिया। आरोपपत्र में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम शामिल हैं। ईडी ने नेशनल हेराल्ड के मूल प्रकाशक, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

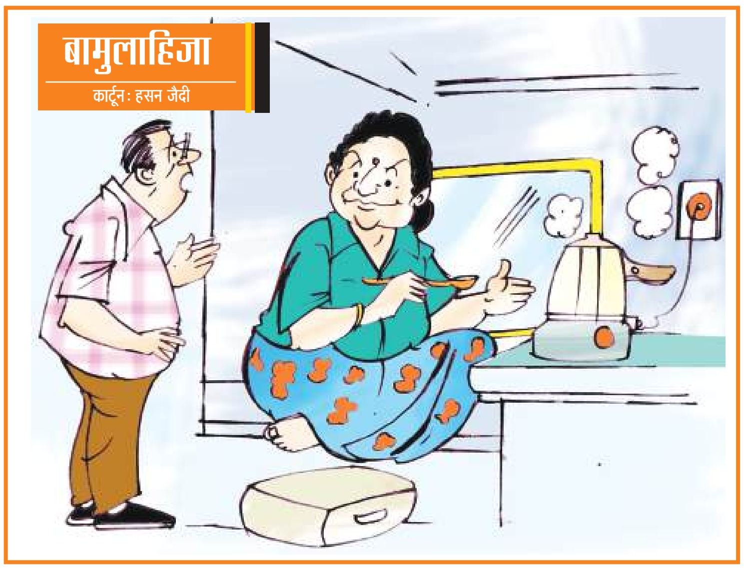

सबूत जनता क्यों दे, जवाब तो चुनाव आयोग को देना चाहिए: मान

» एसआईआर को लेकर सीएम ने उठाई आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सबूत जनता क्यों दे? जवाब तो चुनाव आयोग को देना चाहिए। चुनाव प्रक्रि या और एसआईआर को लेकर पैदा हुए संदेहों के बीच उन्होंने वह बात कही, जो करोड़ों भारतीयों के मन की आवाज थी।

उन्होंने कहा कि देश में चुनावों को लेकर एक अजीब-सी बेचैनी फैली हुई है। लोग सवाल पूछ रहे हैं, चर्चा कर रहे हैं और अपने मन का संदेह खुलकर व्यक्त कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है जब जनता, जो लोकतंत्र की असली मालिक है। अपने ही चुनावी सिस्टम पर भरोसा खोने लगे, तो समझ जाइए कि समस्या बहुत गहरी है। यह बात सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि लोकतंत्र की असली आत्मा की रक्षा करने वाला एक साहसिक संदेश था। जब जनता सवाल उठाती है, तो वह देश को कमजोर नहीं करती—वह लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।

मुख्यमंत्री मान ने साफ कहा कि अगर वोटर चिंतित हैं, अगर प्रक्रिया पर शक है, तो इसे दूर करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। जनता से सवाल पूछने के बजाय, उसका सम्मान किया जाए। क्योंकि लोकतंत्र जनता से ही चलता है, और जनता के भरोसे पर ही टिकता है।

सीएम मान ने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया लोगों को भरोसा दे, डर नहीं। यह बात सुनकर हर वह नागरिक राहत महसूस करता है जो अपने वोट को अपनी आवाज़ समझता है। ऐसे समय में, जब लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर बेचैन थे, मुख्यमंत्री मान की आवाज़ एक भरोसा बनकर उभरी। उन्होंने न जनता को दोषी ठहराया, न सवाल पूछने वालों को दबाया, बल्कि यह कहा कि सवाल उठाना जनता का हक है, और जवाब देना संस्था का कर्तव्य।

बीएलओ के मौतों पर सियासी संग्राम

विपक्ष ने चुनाव आयोग व सरकार को घेरा

» कांग्रेस, टीएमसी व सपा ने उठाया मुद्दा

» संसद से सड़क तक हंगामे की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार, बंगाल से लेकर यूपी में एसआईआर में लगे बीएलओ के मौतों से सियासी संग्राम मच गया है। विपक्ष ने एनडीए सरकार व चुनाव आयोग पर पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार से देश भर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की हाल ही में हुई मौतों को असहनीय बताया।

पिछले सत्र के दौरान पूरे देश ने देखा कि विपक्ष एसआईआर पर चर्चा की मांग कर रहा था। वहीं राम गोपाल यादव, अखिलेश यादव व ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक उठाने की बात की है। इसीक्रम में सोमवार से प्रारंभ हुए शीतकालीन संत्र में एसआईआर को लेकर ससंद में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने बताया कि अगर एसआईआर अभ्यास करने के लिए नियुक्त बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं, तो यह असहनीय है और संविधान का पालन करने वाली किसी भी सरकार को इस पर चर्चा की अनुमति देनी चाहिए। तिवारी की यह टिप्पणी संसद के शीतकालीन सत्र से पहले आई है, जहाँ विपक्ष द्वारा चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त किए जाने की उम्मीद है, जिसने कथित तौर पर बीएलओ पर भारी दबाव डाला है, जिसके कारण कई मौतें हुई हैं और नागरिकों में व्यापक चिंता व्याप्त है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद गुलाम अली खटाना ने एक उत्पादक और सुचारू संसदीय सत्र की आशा व्यक्त की। खटाना ने कहा हमें उम्मीद है कि सदन सुचारू रूप से चलेगा और संसद का बहुमूल्य समय जनकल्याण के लिए उपयोग किया जाएगा। हम चाहते हैं कि विपक्ष जनहित के मुद्दे उठाए और सत्तारूढ़ दल की सकारात्मक आलोचना करे। एसआईआर के अलावा, विपक्ष द्वारा दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता, भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हाल ही में हुए कार विस्फोट पर भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है। 18वीं लोकसभा का छठा सत्र और राज्यसभा का 269वां सत्र आज सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जिसके साथ ही संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हो गई।

एसआईआर को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों : अखिलेश

समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने एसआईआर की वजह से बीएलओ पर काम का दबाव होने और वोट काटने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि हम जानना चाहते हैं कि एसआईआर को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों हो रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि देश में लोकतंत्र तब मजबूत होगा जब हमारे वोट डालने का अधिकार नहीं छीना जाए। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर हाल ये है कि बीएलओ को फॉर्म भरने में भी परेशानी हो रही है। उन्हें किसी तरह ट्रेनिंग नहीं दी गई है। एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए होना चाहिए लेकिन बीजेपी चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा वोट कटे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विपक्ष के ड्रामा नहीं करने वाले बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि ड्रामा कौन कर रहा है आप सभी जानते है। ये जो बीएलओ की जान जा रही है ये ड्रामा है क्या? बीजेपी पुलिस के साथ मिलकर ड्रामा करती है। मतदाताओं पर पिस्तौल लगा देती है। सपा मुखिया ने कहा कि बीजेपी के पास संसाधन है उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता है। बीजेपी ने नोएडा की एक बड़ी कंपनी हायर की है। जो इनके लिए काम कर रही है। इनके पास सबकी मतदाता सूची है। 2024 में जिन बूथ पर बीजेपी हारी है उन बूथों पर बीजेपी वोट काटना चाहती है। इस समय शादी का सीजन चल रहा है ऐसे में एसआईआर क्यों हो रहा है। चुनाव आयोग बीजेपी का सपना पूरा कर रहा है।

एसआईआर के खिलाफ टीएमसी निकालेगी रैलियां

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपना रोष जताएंगी और इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सूत्रों ने यह जानकारी दी। बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली के दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर अभियान का दुरुपयोग किया जा रहा है। तृणमूल अपने जिलावार अभियान को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'घुसपैठियों का सफाया' के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में तीन और चार दिसंबर को जबकि कूचबिहार में नौ दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी अधिक है तथा एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में तथा मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कूचबिहार की रैली नौ दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में होगी और इसेइस शीत ऋतु में उत्तर भारत में बनर्जी की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है। तृणमूल के जिलाध्यक्ष अभिजीत डे भौमिक ने कहा कि एक दिसंबर को ब्लॉक अध्यक्षों के साथ एक बैठक होगी।

विपक्ष एकजुट होकर एसआईआर के विरोध में बोलेगा : राम गोपाल

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा नहीं हुई तो सदन नहीं चलेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया पर बहस न होने पर सदन चलने देगा, राम गोपाल यादव ने एएनआई से कहा कि अगर एसआईआर पर चर्चा नहीं होगी तो सदन नहीं चलेगा। उन्होंने आगे कहा, जिन मुद्दों पर हम बहस की मांग करते हैं, क्या वे वास्तव में इसकी अनुमति देते हैं? वे अभी भी गुस्से में हैं।

राज्यसभा में नए सभापति का जोरदार स्वागत, पीएम ने कही ये बात

विपक्ष संसद में चल रहे एसआईआर के साथ-साथ दिल्ली विस्फोट (जिसमें 15 लोग मारे गए थे) और राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाना चाहता है। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और विजय कुमार वसंत ने मतदाता सूचियों की चल रही एसआईआर पर तत्काल बहस की मांग करते हुए संसद में कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश किया। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी एसआईआर और कई राज्यों में बीएलओ की मौतों को लेकर सदन में कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश किया।

भाजपा व तृणमूल कांग्रेस में वार-पलटवार

भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। यहां 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

एसआईआर लोकतंत्र के लिए खतरा : अवधेश प्रसाद

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि पूरा विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं को उठाएगा, जो इस समय देश के कई हिस्सों में चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। एएनआई से बात करते हुए, प्रसाद ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार एसआईआर प्रक्रिया के जरिए लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर सबसे बड़ा मुद्दा है, लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है... मतदान के अधिकार से ज्यादा कीमती कुछ नहीं है... भाजपा सरकार एसआईआर के जरिए लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करना चाहती है। प्रसाद ने आगे कहा कि यह देखा जा सकता है कि बीएलओ की तैनाती पार्टी लाइन के आधार पर की गई है और ज्यादातर बीएलओ भाजपा कार्यकर्ताओं को फॉर्म बाँट रहे हैं। हालाँकि एसआईआर की समयसीमा बढ़ा दी गई है, लेकिन काम इतना ज्यादा है कि उत्तर प्रदेश में आधे से ज़्यादा बीएलओ की मौत हो चुकी है। पूरा विपक्ष इस मुद्दे को संसद में उठाएगा। बिहार में पहले चरण के सफल समापन के बाद, एसआईआर अभ्यास के दूसरे चरण में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मोबाइल आदतों को दूर करने के लिए किया जाए जनजागरण

> अभी हाल में एम्स की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

गेमिंग पर पिछले सत्र में कानून बना था। उसके बाद भी बड़े-बड़े सेलीब्रेटी ऑनलाइनखेल खिलाने के चक्कर में जांच एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं। अर्थात अब भी इसपर रोक नहीं लग पा रहा है। लगता है इसे कानून के सहारे नहीं जन जागकता से रोक सकते हैं। भारत के किशोरों में मोबाइल व उसपर गेम खेलने चलन या कह सकते है लत बढ़ती जा रही है। सबसे बड़ी बात ये जानलेवा बनता जा रहा है। मोबाइल पर ज्यादा समय देने की वजह से ये किशोर समाज व परिवार से दूर होते जा रहें हैं जिसकी वजह से जब ये सोशल मीडिया से दूर होते हैं तो डिप्रेशन में चले जाते हैं इसकी परिणती आत्मदाह के रूप में सामने आता है। अभी हाल में एम्स की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं। इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है। अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्तूबर 2023 से दिली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है। किशोरों को 12 सप्ताह की फिजियोथेरेपी दी गई, अगले 24 सप्ताह तक उनकी निगरानी की गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दो निर्णयों की वापसी और एक अवसर की चूक

ज्योति मल्होत्रा

पिछले एक महीने में केंद्र की भाजपा सरकार को दो बार अधिसूचना वापस लेनी पड़ी - जिसमें एक में चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों का प्रस्ताव था - और एक था वह विधेयक, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन में ही बदलावों का प्रस्ताव था, जिसको संसद के आगामी शीत सत्र में पेश करना था। हैरान कर देने वाली इन दो वापसियों से प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र पर संपन्न हो गयी- बजाय इसके, सोचिए यदि उनका आखिरी पड़ाव आनंदपुर साहिब होता, जहां गत सप्ताह की शुरुआत में नौवें गुरु, तेग बहादुर की शहादत की 350वीं सालगिरह मनाने के लिए हजारों लोग इस ऐतिहासिक जगह पर एकत्र हुए थे।

प्रधानमंत्री की यात्रा 1675 में गुरु साहिब की शहादत का अनुपम संदेश दर्शाती और आह्वान करती, जब गुरु साहिब ने किसी के धर्म, यानी हिंदू धर्म को मानने के अधिकार की रक्षा की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी। प्रधानमंत्री ने बगल के भाजपा शासित हरियाणा के कुरुक्षेत्र जाना चुना, केसरिया साफा पहन, बारंबार गुरु के बलिदान की तारीफ की। इसलिए, प्रधानमंत्री आनंदपुर साहिब क्यों नहीं गए, और जो कहना था वह इस पवित्र धरती से क्यों नहीं कहा? विडंबना यह कि मोदी पंजाब और पंजाबियों दोनों को अच्छी तरह जानते हैं। इमरजेंसी के सालों में, गुजरात में बतौर एक भूमिगत कार्यकर्ता, वे कभी-कभी पगड़ी पहनकर सिख का भेस बदलकर गिरफ्तारी से बचे। फिर, 1990 के दशक में, बतौर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पंचकूला में रहते हुए वे हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे, और पंजाब में भी घूमते थे। साल 2019 में प्रधानमंत्री बनने के बाद, वे करतारपुर साहिब कॉरिडोर का उद्घाटन करने जाते समय,बीच में सुल्तानपुर लोधी में गुरुद्वारा बेर साहिब रुके, एकदम वज्रासन में बैठे और पहले गुरु , गुरु नानक को समर्पित इस गुरुद्वारे में प्रार्थना की।

मोदी ने पाकिस्तान के प्रति अपनी नापसंदगी को एक तरफ रखते हुए - जबकि उसी साल फरवरी की शुरुआत में,वायुसेना ने बालाकोट स्थित आतंकी अड्डों पर एयरस्ट्राइक की थी- और यह सुनिश्चित किया कि डेरा बाबा नानक को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से जोड़ने के लिए सड़क और सभी खास सुविधाएं चालू हो सकें, ताकि सिख श्रद्धालु गुरु नानक देव के जीवन के

आखिरी 18 सालों से जुड़े इस गुरुद्वारे में प्रार्थना कर सकें। वर्ष 2022 में, मोदी ने उनसे मिलने आए एक सिख प्रतिनिधि मंडल से कहा, 'गुरुद्वारों में जाना, सेवा में समय बिताना, लंगर खाना, सिख परिवारों के घरों में रहना मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है'। गत सप्ताह की शुरुआत में आनंदपुर साहिब में, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित समारोह के बरक्स अकाली दल-एवं शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से भी गुरु की शहादत की याद में कार्यक्रम आयोजित किए गए। खबरों में इस बात की काफी चर्चा रही कि क्या वाकई इन समानांतर आयोजनों का पंजाबियों की अपने गुरु के प्रति श्रद्धा पर असर पड़ा - जवाब है, कतई नहीं। मोदी की उपस्थिति, यदि वे जाते, तो उनकी मौजूदगी उस अंदरूनी खींचतान को और बढ़ा डालती, जिसे सिर्फ भारतीय समझते हैं और जिसका आनंद लेते हैं। ऐसा लगता है, पंजाब के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के लिए मुलाकात का समय नहीं दिया गया, लेकिन अगर प्रधानमंत्री पहुंचते, तो सोचिए कि आज बिना नेता वाली पंजाब भाजपा को कितना बल मिलता। शायद प्रधानमंत्री को अहसास हो गया होगा कि पंजाब का माहौल, यदि विकट नहीं, तो भी उदास है। बाढ़ से हुआ भौतिक और भावनात्मक नुकसान अभी भी कायम है। बिना किसी चर्चा या बहस के, पंजाब यूनिवर्सिटी और चंडीगढ़ बिल पर अचानक अधिसूचनाएं आईं - ठीक वैसे ही जैसे 2020 में कृषि कानून लागू किए गए थे- यह काम इतना बड़ा और हैरानीजनक था कि राज्य की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक साथ उठ खड़ी हुईं और दिल्ली का विरोध किया।

यहां तक कि पंजाब भाजपा भी शर्मिंदा हुई। केंद्र ने उन सभी को इसके ख़िलाफ़ एकजुट कर डाला। कृषि कानूनों की तरह ही, पिछले महीने केंद्र की कार्रवाइयों से आभास होता है कि या तो पंजाब के बारे में समझ की पूरी तरह से कमी है या जानबूझकर की गयी। इस माह एक बार फिर, प्रतिक्रिया तत्काल और तीव्र रही। केंद्र को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। मजेदार बात यह कि मोदी यह सब बखूबी जानते हैं। वे समझते हैं कि लोकसभा में केवल 13 सीटों के साथ, पंजाब की चुनावी हैसियत बिहार या पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों जितनी नहीं है।

हम समझें इस दुर्लभ मानव जीवन का महत्व

प्रो. सुखनंदन सिंह

मनुष्य जीवन कितना बेशकीमती है, इसका सामान्यत: अहसास नहीं हो पाता, क्योंकि यदि अहसास होता तो यह बहुमूल्य उपहार यूं ही व्यर्थ नष्ट नहीं होता। दुर्व्यसन से लेकर नशा एवं आत्मघाती कृत्यों के साथ जीवन लीला को अपने हाथों से नष्ट करते समाचार नित्य सुर्खियों में होते हैं। इसके साथ भ्रष्टाचार से लेकर आतंक और आपराधिक गतिविधियों के समाचारों के साथ देवत्व एवं ईश्वरत्व की संभावनाओं से युक्त मनुष्य जीवन को पतन-पराभव के गर्त में गिरते देखा जा सकता है। बिना सार्थकता की अनुभूति के जीवन की ऐसी दुर्गति को एक त्रासद दुर्भाग्य ही माना जाएगा। जबकि मनुष्य जीवन में सुख-शांति व सृजन के अभूतपूर्व रोमांच की अनंत संभावनाएं हैं। हर इंसान इनकी कल्पना भी करता है, नाना रूपों में पाने की चेष्टा करता है, लेकिन जीवन की सही समझ के अभाव में वह दिशा भटक जाता है और ये संभावनाएं अधूरी ही रह जाती हैं।

जिस संतुष्टि, स्वतंत्रता व आनंद की कल्पना मनुष्य बाहरी सम्पदा, मोह-ममता और सत्ता सुख में करता है, वे भी अंतत: मृगमारिचिका बनकर पहुंच से दूर हो जाती हैं और जीवन के अंतिम पलों में हाथ कुछ नहीं लगता। बिना किसी सार्थक निष्कर्ष के मानव जीवन के इस अवसान को एक दुर्घटना ही कहा जाएगा। भारतीय परंपरा में मनुष्य जीवन को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ उपहार कहा गया है और इसे दुर्लभ माना गया है। देवता भी मनुष्य शरीर को प्राप्त करने के लिए तरसते हैं, क्योंकि इसी में वे संभावनाएं मौजूद हैं, जो आत्मतत्व को जाग्रत करते हुए सकल मानवीय सीमाओं एवं दुख को तिरोहित कर सके और जीव से शिव, नर से नारायण की यात्रा सम्पन्न करते हुए अंतत: परमात्मा के प्रतिरूप आत्म-स्वरूप को प्राप्त कर सके। भारतीय परंपरा में जीवन का मूल्य बाहरी उपलब्धियों, धन-दौलत व पद-प्रतिष्ठा आदि में कभी नहीं रहा है, ये सेवा के लिए जीवन के सहज अवलंबन हो सकते हैं, जीवन उद्देश्य नहीं।

क्योंकि यदि इनके रहते भी व्यक्ति अशांत, असंतुष्ट, परेशान और जीवन के आनंद से वंचित है, तो यह घाटे का सौदा माना जाएगा। आश्चर्य नहीं कि बुद्ध भगवान से लेकर महावीर, नानक, कबीर और महर्षि रमण जैसे ऋषितुल्य शिखर पुरुष शांति, आनंद व धन्यता की खोज में किसी बाहरी सुख, सुविधा व सत्ता के मोहताज नहीं रहे, बल्कि इन सबका त्याग करते हुए जीवन के परमलाभ को प्राप्त हुए और आज भी प्रेरणा के प्रकाशपुंज बनकर जीवन जीने का कालजयी संदेश दे रहे हैं। इन सबका एक ही संदेश रहा कि जीवन की असली संपदा इंसान के अंदर कस्तुरी मृग की तरह छिपी पड़ी है। भ्रम की मृगमारिचिका के कारण वह इसे बाहर ढूंढ़ता फिर रहा है। वासना, तृष्णा और अहंकार के नागपाश में बंधकर वह जीवन की सुख-संतुष्टि की तलाश बाहर खोजने के लिए प्रेरित हो रहा है, लेकिन उसका हर प्रयास चूक जाता है और अंतत: जब समय आता है तो काफी देर हो चुकी होती है। यदि समय रहते इसकी समझ और अंतर्दृष्टि विकसित की होती, तो हाथ में कुछ सार्थक लगता, जिसकी वह चिरकाल से प्रतीक्षा कर रहा था।

लकड़हारे की कहानी प्रख्यात है कि उसे राजा द्वारा उसके उपकार के लिए उपहार के रूप में एक चंदन का जंगल भेंट में मिलता है। राजा को आशा थी कि अब उसकी गरीबी दूर हो जाएगी और वह एक खुशहाल जीवन जीएगा। लकड़हारा इस वन से पेड़ काटकर, इसका कोयला बनाता और पास के शहर में जाकर बेच आता था। यह सिलसिला कई माह और वर्षों तक चलता रहा, और वह अपनी झोपड़ी में इससे मिलने वाली धनराशि से गुजर-बसर करता रहा। जब एक दिन राजा जंगल में शिकार करते हुए वहां से गुजरता है, तो आश्चर्यचकित होता है कि लकड़हारा उसी झोपड़ी में रह रहा है, जबकि उसे उम्मीद थी कि वह अब तक सम्पन्न हो गया होगा। अब वहां कुछ पेड़ बचे थे। राजा ने पूरा हाल-चाल पूछा तो माथा ठोककर रह गया और लकड़हारे को समझाया कि यह चंदन का पेड़ है, जिसका एक पेड़ भी इसकी दरिद्रता को दूर करने के लिए पर्याप्त था। लकड़हारा अपनी मूर्खता पर पछताता है और बचे वृक्षों का सदुपयोग करते हुए शेष जीवन को सम्पन्नता एवं धन्यता के साथ गुजारता है।

यही कहानी हर इंसान की है, जिसे ईश्वर ने वे सारी क्षमताएं, विभूतियां बीज रूप में प्रदान की हैं — एक स्वस्थ-सबल काया, कम्प्यूटर से भी तेज चलने वाला मस्तिष्क, वायु से भी तीव्र मन, किसी भी समस्या को भेदने में सक्षम बुद्धि, प्रेरणा के अजस्र स्रोत भावनाएं, अस्तित्व के हर रहस्य को भेदने में सक्षम अंतरप्रज्ञा, किसी भी कल्पना को मूर्त करने में सक्षम इच्छा शक्ति। और साथ में समय के रूप में सबको चौबीस घंटे, जिनका सदुपयोग करते हुए वह अपनी मनचाही सृष्टि का सृजन कर सकता है। देर इन क्षमताओं के प्रति जागने भर की है, नित्य अपने आंतरिक मन में झांकने की है, आत्मनिरीक्षण करते हुए इसमें बाधक आंतरिक एवं बाह्य तत्वों को पहचान कर दूर करने भर की है। नित्य स्वाध्याय, सत्संग एवं आत्मचिंतन-मनन के प्रकाश में प्राप्त अंतर्दृष्टि के आधार पर वह इसे सहजता से कर सकता है और जीवन शैली में आवश्यक परिवर्तन करते हुए, व्यक्तित्व में अभीष्ट पात्रता के विकास के साथ जीवन को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है और इस दुर्लभ मानव जीवन को सफल और सार्थक बना सकता है।

टॉक्सिन को बाहर करने के लिए करें ये योगासन

शरीर में लिवर सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो पाचन, विषैले तत्वों को बाहर निकालने और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, जंक फूड, अल्कोहल और तनाव की वजह से लिवर पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। अगर लिवर कमजोर हो जाए तो थकान, पाचन संबंधी समस्याएं और कई गंभीर बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसे में योगासन लिवर को डिटॉक्स करने और उसे स्वस्थ बनाए रखने का प्राकृतिक और असरदार तरीका है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए योगासन एक प्राकृतिक उपाय है। रोजाना इन आसनों का 10 से 15 मिनट अभ्यास करके लिवर को डिटॉक्स किया जा सकता है। साथ ही संतुलित आहार और पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम लिवर की शुद्धि के लिए बेहद लाभकारी है। क्योंकि इसे करने से रक्त शुद्ध होता है और लिवर की कोशिकाएं सक्रिय होती हैं। कपालभाति प्राणायाम वजन नियंत्रित करने में सहायक है। वहीं पेट की चर्बी घटाने और शरीर के विषैले तत्व बाहर निकालकर पेट साफ करने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान निभाता है।

नौकासन

यह आसन लिवर और पेट की मांसपेशियों को मजबूती देता है। नियमित अभ्यास से लिवर को ऊर्जा मिलती है और यह बेहतर तरीके से कार्य करता है। नौकासन से मन प्रसन्न होता है और शरीर को ताकत मिलती है। नौकासन करने के लिए सबसे पहले आप पेट के बल लेट जाएं, दोनों हाथ कंधों के बराबर आगे रखें और हथेलियां मिलाएं। दोनों पैर मिलाकर रखें। सांस भरते हुए हाथों को आगे और पैरों को पीछे की ओर ऊपर उठाएं, ताकि शरीर नाव जैसी स्थिति में आ जाए। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे नीचे आएं। इसे तीन बार दोहराएं।

धनुरासन

इस आसन को करने से पेट और लिवर पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे पाचन और लिवर की कार्यक्षमता बेहतर होती है। यह लिवर को डिटॉक्स करने और फैट कम करने में मददगार है। इस योगासन में शरीर धनुष की तरह दिखाई देता है। यह आंतरिक अंगों पर सकारात्मक दबाव डालता है और पैंक्रियाज को टोन करता है। रोज 15 से 20 सेकंड धनुरासन के दो सेट का अभ्यास पर्याप्त है।

भुजंगासन

यह आसन लिवर की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और खून का संचार बढ़ाता है। इससे लिवर पर जमा टॉक्सिन बाहर निकलते हैं और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है। यह पेट के आसपास की चर्बी को कम करने के लिए बेस्ट आसन है। इस आसन से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है, पाचन सुधरता है और कमर पतली दिखने लगती है। इसे करने से छाती चौड़ी होती है और फेफड़ों की क्षमता भी बढ़ती है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

यह आसन लिवर को स्ट्रेच करता है और विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया को तेज करता है। साथ ही पाचन क्रिया को मजबूत करता है। यह आसन पैंक्रियास को सक्रिय करता है और इंसुलिन के स्राव को संतुलित करता है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन का अभ्यास लिवर और किडनी की कार्यक्षमता भी बढ़ाता है। इस आसन को करने के लिए आप जमीन पर बैठ जाएं और पैरों को सीधा कर लें। इस समय आप रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। इसके बाद बाएं पैर को मोड़े और इससे कुल्हे के नीचे दबाएं। अब दाएं पैर को ऊपर की मोड़े, इसका घुटना ऊपर की ओर रखें। इसके बाद जो पैर ऊपर की ओर है, उस ओर शरीर के ऊपरी हिस्से को घुमाएं। ऐसा करते समय आप ऊपर वाले पैर को नीचे वाले पैर से क्रॉस करें और तलवे को घुटने के पास ले आएं। बाएं हाथ को जमीन पर रखें और गहरी सांस को अंदर भरें। इस पोजिशन में करीब 20 से 30 सेकेंड तक शरीर को होल्ड करें।

हंसना मना है

खिड़की पर खड़े आदमी से कैशियर ने कहा- पैसे नहीं है, ग्राहक : और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर: मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली : 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

ग्राहक: बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है, तेरा खाने का मन नहीं करता? बच्चा: बहुत मन करता है अंकल लेकिन पापा गिन कर रखते हैं इसलिए बस चूस के वापिस रख देता हूं। ग्राहक बेहोश..

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां: कौन है यह? लड़का: यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां: कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब? लड़का: पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठी किसी का इंतजार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक लोमड़ी

एक बार की बात है किसी जंगल में एक कौआ रहता था। हर कोई उससे दूर ही रहता था, क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज में गाता रहता था और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन वह भोजन की तलाश में जंगल से दूर गांव की ओर निकल कर आ गया। उस कौए को वहां से एक लोमड़ी जाती हुई दिखी। वह लोमड़ी बहुत तेजी से भूखी थी। उसने कौवे के पास रोटी देखी और रोटी को किसी भी तरह खाने का विचार करने लगी। जैसे ही कौआ रोटी खाने को हुआ, नीचे से लोमड़ी की आवाज आई अरे कौआ महाराज, मैंने सुना है कि यहां पर बहुत सुरीली आवाज में कोई गाना गाता है, क्या वो आप हैं। लोमड़ी के मुंह से अपनी आवाज की तारीफ सुनकर कौआ मन ही मन बहुत खुश हुआ और अपना सिर हां में हिला दिया। इस पर लोमड़ी बोली कि क्यों मजाक कर रहे हो महाराज। इतनी मधुर आवाज में आप गा रहे थे, मैं यह कैसे मान लूं? अगर आप गा कर बताएंगे, तो मुझे यकीन हो जाएगा। कौआ लोमड़ी की बातों में आ गया और वह उसके बिछाए जाल में फंसते हुए लोमड़ी की बात सुनकर जैसे ही गाने को हुआ, उसके मुंह में दबी रोटी नीचे गिर गई। रोटी नीचे गिरते ही लोमड़ी ने रोटी पर झपट्टा मारा और रोटी खाकर वहां से चली गई। भूखा कौआ लोमड़ी को देखता रह गया और अपने किए पर बहुत पछताया।

कहानी से सीख-इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। साथ ही ऐसे लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी झूठी प्रशंसा करते हैं। ऐसे लोग सिर्फ अपना काम निकलवाने के लिए ऐसा व्यवहार करते हैं। काम निकलते ही वह आपको भूल जाते है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

तुला

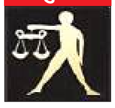

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृषभ

कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है।

वृश्चिक

यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

मिथुन

पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु

आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

कर्क

किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे।

मकर

रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दु:ख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। राजभय रहेगा।

सिंह

व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ

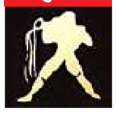

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

कन्या

आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

मीन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे नहीं लगता कि मैं राजनीति के लिए बनी हूं : माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित क्या राजनीति की दुनिया में एंट्री लेंगी? उन्हें लेकर अक्सर लोग कयास लगाते रहते हैं। हकीकत क्या है? इसे लेकर हाल ही में माधुरी दीक्षित ने खुद स्पष्ट कर दिया है। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राजनीति में आने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर भी बात की। माधुरी दीक्षित ने पॉलिटिक्स जॉइन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका मानना है कि वे पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी हैं। उनके पॉलिटिकल डेब्यू को लेकर अफवाहें पिछले साल तब तेज हुई, जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन कई इंटरव्यू और पब्लिक अपीयरेंस में उनके बारे में अटकलें चलती रहीं। हाल ही में ANI से बातचीत में माधुरी ने राजनीति में उतरने की बात को नकार दिया। साथ ही यह भी बताया कि वे खुद को पॉलिटिक्स में क्यों नहीं देखतीं? अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पर्सनैलिटी और ख्वाहिशें चुनावी जिम्मेदारियों के बजाय क्रिएटिव एक्सप्रेशन से ज्यादा जुड़ी हुई हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वे पॉलिटिक्स के लिए सही हैं। उन्होंने बताया कि वे आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करती हैं। इसके जरिए वे ज्यादा प्रेरित कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं पॉलिटिक्स के लिए बनी हूं। मैं एक आर्टिस्ट होने और उस मायने में असर डालने के लिए बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सच में कभी पॉलिटिक्स में आने का सपना नहीं देखा है या मैं खुद को वहां नहीं देखती। इसके अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड मे पे-गैप पर भी बात रखी।

आसमान में गरजे दिलजीत पायलट लुक में लगे रौबदार

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड की आने वाली फिल्मों की लिस्ट में यूं तो कई सारी फिल्में हैं। मगर सनी देओल की आने वाली फिल्म बॉर्डर 2' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म को लेकर फैंस लंबे समय से एक्साइटेड है।

इस बार फिल्म में सनी देओल के साथ वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ पहली बार काम करने जा रहे हैं। इन्हीं सब के बीच फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से दिलजीत दोसांझ का पहला लुक शेयर किया है। बता दें कि इससे पहले फिल्म से वरुण धवन और सनी देओल का पहला लुक जारी कर मेकर्स ने खूब वाहवाही बटोरी थी। अब दिलजीत का लुक शेयर कर मेकर्स ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।

सामने आए पोस्टर में दिलजीत पायलट की वर्दी में दिख रहे हैं। वह युद्ध के बीच जेट उड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। उनके हाथों में जख्म भी दिख रहा है। दिलजीत का लुक शेयर करते हुए मेकर्स टीम में कैप्शन में लिखा इस देश के आसमान में गुरु के बाज पहरा देते हैं। इसके अलावा दिलजीत ने भी अपने फैंस के साथ अपना शेयर किया है। वीडियो के बैकग्राउंड फिल्म का थीम सॉन्ग 'संदेशे आते हैं' सॉन्ग बज रहा है। वीडियो में दिलजीत इंडियन एयरफोर्स ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों के लुक में दिख रहे हैं।

आपको बता दें कि बॉर्डर 2' फिल्म साल 1997 में आई बॉर्डर का सीक्वल है। बॉर्डर बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म मानी जाती है। यह फिल्म कई नैशनल अवार्ड से नवाजी गई थी। वहीं फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबां पर चढ़े रहते हैं।

अब देखना होगा कि आने वाले इस सीक्वल पर दर्शकों का क्या रिएक्शन होता है। फिल्म फिल्म 23 जनवरी 2025 को थिएटर्स में होने को तैयार है। फिल्म में सनी देओल , दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन के अलावा अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा भी हैं।

मैं ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करूंगी जो संस्कृति से जुड़ा हो : प्रियंका चोपड़ा

अपनी मेहनत और हौसले के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हिंदी सिनेमा में भी एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अब वे ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और बॉलीवुड-हॉलीवुड दोनों तरह की फिल्मों से फैंस का दिल जीत रही हैं। हालांकि, आज भी प्रियंका का कहना है कि हॉलीवुड में उन्हें बहुत कुछ करना है। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज क्वांटिको से हॉलीवुड में कदम रखा और उसके बाद बेवॉच, इजंट इट रोमांटिक, द व्हाइट टाइगर, द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस, हेड्स ऑफ स्टेट्स, और एक्शन थ्रिलर सीरीज सिटाडेल जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। अपनी हॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं इन सब के बारे में थोड़ा सोचती हूं, क्योंकि एक कलाकार होने के नाते मुझे अंग्रेजी भाषा में अभी और भी काम करना है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैंने हिंदी सिनेमा में लगभग हर तरह का काम किया है और अब मैं वैसा ही काम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती हूं। प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं। बता दें कि बॉर्न हंग्री डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई थी और डॉक्यूमेंट्री को वैश्विक स्तर पर अच्छा रिस्पांस मिला था।

हुनरमंदों की मदद करना चाहती हैं प्रियंका

हॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के साथ प्रियंका उन कलाकारों, निर्माताओं और निर्देशकों को भी सपोर्ट करना चाहती हैं, जिन्हें अपना हुनर दिखाने के लिए एक मंच या मौके की तलाश है। उन्होंने कहा कि हमें उन कलाकारों को आगे लाना पसंद है, चाहे वे फिल्म निर्माता हों, लेखक हों, अभिनेता हों, या कोई भी प्रतिभा हो जो दुनिया भर में अपनी पहचान बनाना चाहती हो। हम उन्हें एक मंच देना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिन फिल्म निर्माताओं, लेखकों और अभिनेताओं को एक वैश्विक मंच की ज़रूरत है, उनको सपोर्ट करना हमारा मेन फोकस रहता है।

अजब-गजब

दुनिया की सबसे रहस्यमयी जगहें,

इन जगहों पर इंसानों का पैर रखना तक है मना

लोग अपनी घूमने की बकेट लिस्ट में हमेशा दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहें रखते हैं, जैसे- मालदीव, स्विट्जरलैंड या जम्मूकश्मीर। लेकिन क्या आप जानते हैं, इस दुनिया में कुछ ऐसी जगहें भी हैं जहां कदम रखना तो दूर, उनके पास जाना भी सख्त मना है? ये स्थान इतने रहस्यमयी, खतरनाक या अत्यंत सुरक्षित माने जाते हैं कि यहां आम लोगों की एंट्री पूरी तरह से बैन है। आज हम आपको ऐसी ही अनोखी जगहों से रूबरू कराने जा रहे हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

सर्टसी एक ज्वालामुखीय द्वीप है, जो 1963 से 1967 के बीच अटलांटिक महासागर में अचानक उभरकर बना था। इसके बनने के बाद से ही यहां आम लोगों का जाना पूरी तरह बैन है। केवल चुनिंदा वैज्ञानिकों को ही विशेष अनुमति के साथ इस द्वीप पर कदम रखने की इजाजत मिलती है, जबकि आम लोग इसे केवल हवा से, छोटे एयरक्राफ्ट में बैठकर देख सकते हैं। यह पाबंदी इसलिए लगाई गई है ताकि द्वीप के प्राकृतिक वातावरण को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सुरक्षित रखा जा सके। 2008 में हृश्वस्ह्र ने इसकी वैज्ञानिक महत्वपूर्णता को देखते हुए सर्टसी को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। आसान भाषा में कहें तो, यहां टूरिज्म पूरी तरह बंद है और यह दुनिया के सबसे संरक्षित और नियंत्रित रिसर्च क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

इल्हा दा क्रेमादा ग्रांडे (स्नेक आइलैंड), ब्राजील... ब्राजील के साओ पाउलो के पास स्थित एक छोटा-सा द्वीप अपनी खतरनाक प्रकृति के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इसे 'स्नेक आइलैंड' के नाम से जाना जाता है, और यहां आम लोगों का प्रवेश पूरी तरह से बैन है। इस प्रतिबंध का कारण है यहां रहने वाली बेहद जहरीली और दुर्लभ प्रजाति, गोल्डन लांसहेड वाइपर। यह सांप दुनिया में केवल इसी द्वीप पर पाया जाता है। गोल्डन लांसहेड वाइपर का जहर इतना जहरीला होता है कि अगर ये अक बार इंसान को काट ले तो इंसान के बचने की संभावना बेहद कम रह जाती है। इसके अलावा इस द्वीप पर सांपों की संख्या इतनी ज्यादा है कि यहां कदम रखते ही उनका सामना होना लगभग तय माना जाता है। लोगों की सुरक्षा और इस दुर्लभ प्रजाति को संरक्षण देने के लिए ब्राजील सरकार ने यहां आम जनता का जाना पूरी तरह बंद कर दिया है। केवल चुनिंदा वैज्ञानिकों को ही विशेष अनुमति के साथ, सख्त सुरक्षा नियमों के तहत रिसर्च के लिए यहां जाने की अनुमति दी जाती है।

एरिया 51, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए)... नेवाडा के सुनसान रेगिस्तान के बीचों-बीच स्थित एरिया 51 दुनिया के सबसे गुप्त सैन्य ठिकानों में गिना जाता है। इसे अमेरिकी वायु सेना कंट्रोल करती है, जहां नए तरह के लड़ाकू विमान, हथियार और गुप्त तकनीकें टेस्ट की जाती हैं। इसकी सुरक्षा इतनी कड़ी है कि बेस से काफी दूरी पर भी हाई-टेक निगरानी सिस्टम, मोशन सेंसर और चेतावनी वाले बोर्ड लगे होते हैं, जो साफ बताते हैं कि यहां किसी भी तरह की घुसपैठ पूरी तरह प्रतिबंधित है। सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि इसके ऊपर का हवाई क्षेत्र भी नो-फ्लाई ज़ोन घोषित है। कड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोपनीयता के कारण आम नागरिक यहां कदम भी नहीं रख सकते। इसी कारण से एरिया 51 को दुनिया की सबसे रहस्यमयी, चर्चा में रहने वाली और जनता से पूरी तरह दूर रखी गई जगहों में शामिल किया जाता है।

इस शहर में घर के अंदर भी चली जाती है नाव ज्यों के त्यों खड़े हैं 600 साल पुराने पुल-मकान!

इंसानों ने हमेशा से ही पानी के आस-पास ही अपने घर और बस्तियां बसाई हैं, लेकिन कुछ स्थान ऐसे होते हैं जहां पानी सिर्फ जीवन का आधार नहीं, बल्कि संस्कृति और वास्तुकला का अभिन्न अंग बन जाता है। ऐसे में अगर हम आपसे पूछें कि वो कौन-सा शहर है, जहां घर के अंदर से भी नाव चली जाती है? इतना ही नहीं, 600 साल पुराने पुल और मकान भी ज्यों के त्यों खड़े हैं, तो क्या आप उसका नाम जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि चीन के सबसे प्रसिद्ध 'जल नगरों' में से एक झोउज़ुआंग एक ऐसी ही जादुई जगह है। यह नगर शंघाई और ताई झील के बीच स्थित है, जो सुझोऊ से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में बैक्सियान झील के दक्षिणी किनारे पर मौजूद है। झोउज़ुआंग की सबसे बड़ी पहचान इसके चारों ओर फैली झीलें और नदियां हैं, जो इसे पूरी तरह से घेरे हुए हैं। बता दें कि झोउज़ुआंग नहरों के जाल से घिरा हुआ है, जो इसे झीलों और नदियों से जोड़ते हैं। झोउज़ुआंग की सुंदरता को सबसे अच्छी तरह से इसकी जलमार्गों के किनारे काले टाइलों वाले सफेद दो-मंजिला मकानों और इसके कई पत्थर के पुलों के आसपास महसूस किया जा सकता है। ऐसा लगता है जैसे समय यहां 600 साल पहले ही ठहर गया हो। इस जल नगरी का मुख्य आकर्षण इसके 14 प्राचीन पुल हैं, जो युआन (1271-1368), मिंग (1368-1644) और किंग (1644-1911) राजवंशों के दौरान बनाए गए थे। इन सभी पुलों में से डबल ब्रिज या जुड़वां पुल सबसे प्रतिष्ठित और झोउज़ुआंग का प्रतीक माना जाता है। यह पुल वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना है, जिसमें दो पुल एक जलधारा के ऊपर समकोण बनाते हुए स्थित हैं। इसे पहली बार वानली काल (1573-1619) के दौरान बनाया गया था। एक अन्य महत्वपूर्ण पुल फुआन ब्रिज है, जिसे 1355 में बनाए जाने के कारण झोउज़ुआंग में सबसे पुराना पुल होने का गौरव प्राप्त है। झोउज़ुआंग में लगभग एक हजार परिवार रहते हैं, जिनमें से 60न घरों का निर्माण मिंग और किंग राजवंशों के दौरान हुआ था और ये आज भी बहुत अच्छी तरह से संरक्षित हैं।

महायुति के तनाव का शिकार हुआ निकाय चुनाव

शिंदे-फडणवीस के बीच छिड़ी वर्चस्व की लड़ाई

शिवसेना व भाजपा में अनबन, चुनाव स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना व भाजपा की तनातनी का असर स्थानीय निकाय चुनावों पर पड़ गया है। खींचतान को देखते हुए फिलहाल पुणे में चुनावों को टाल दिया गया है। दरअसल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ तनाव को स्वीकार किया, हालांकि दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव स्थानीय मुद्दों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर केंद्रित रहना चाहिए। शिंदे ने हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ आरोप-प्रत्यारोप की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव जमीनी मुद्दों और पार्टी कार्यकर्ताओं के काम पर केंद्रित रहना चाहिए।

फडणवीस का किसी के खिलाफ टिप्पणी से इंकार

इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित होते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्होंने विरोधियों या सहयोगियों के खिलाफ टिप्पणी करने से परहेज किया है और केवल अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया है। ये स्थानीय निकाय चुनाव हैं जिनमें हमारी पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव लड़ते हैं और हम राज्य के उन सभी हिस्सों में पहुँचने की कोशिश करते हैं जहाँ चुनाव हो रहे हैं ताकि चुनाव के दौरान अपने कार्यकर्ताओं का प्रचार और समर्थन कर सकें। यही कार्यकर्ता हमारे प्रचार में कड़ी मेहनत करते हैं, इसलिए यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम उनके चुनावों में उनके लिए प्रचार करें और यह सभी करते हैं।

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने पुणे जिले में कई नगर परिषदों में चुनाव स्थगित कर दिए हैं, क्योंकि जिला न्यायालय द्वारा प्रमुख अपीलों पर आदेश आयोग की निर्धारित समय सीमा के बाद दिए गए थे। छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि हाँ, यह सच है कि मैंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाए हैं और उन्होंने भी मुझ पर आरोप लगाए हैं। लेकिन आपको यह समझना होगा कि ये चुनाव स्थानीय चुनाव हैं, जो स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा लड़े जाते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में बड़े राजनीतिक मुद्दों को उठाने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन पार्टी कार्यकर्ता अपने वरिष्ठ नेतृत्व को इन चुनाव अभियानों में शामिल होते देखना पसंद करते हैं।

चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित कर रही बीजेपी: राणे

राणे ने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ है और पुलिस को इस मामले में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए. राणे ने सवाल उठाया कि जब आचार संहिता लागू है, तब इतनी बड़ी मात्रा में नकदी का शहर में घूमना क्या संकेत देता है। शिवसेना के विधायक निलेश राणे का दावा है कि दोनों को बड़ी मात्रा में नकदी के साथ पकड़ा गया। राणे ने कहा कि गाड़ी में भरी नकदी किसके लिए जा रही थी और कहां बांटी जानी थी, यह एक बड़ा सवाल है, उन्होंने मौके पर पहुंचकर पुलिस के सामने सीधे पूछा कि इतनी बड़ी रकम किस उद्देश्य से रात में चुनाव क्षेत्र में घूम रही थी।

नाम बदलने से ज्यादा जरूरी है सोच बदलना : स्टालिन

» राजभवन को लोकभवन नाम देने पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के राजभवन राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम बदलकर लोकभवन करने के प्रस्ताव की तीखी आलोचना की। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार राज्यपाल आरएन रवि ने इस कदम की सिफ़ारिश की थी। स्टालिन ने कहा कि यह मुद्दा नामों का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान का है। उन्होंने इस कदम को अनावश्यक बताया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि असली जवाबदेही जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के अधिकार का सम्मान करने में निहित है।

उन्होंने सवाल किया नाम बदलने से ज्यादा ज़रूरी है मानसिकता बदलना! विधान सभा = जनता की सभा! जो लोग विधान सभा का सम्मान नहीं करते, उनके लिए क्या नाम बदलकर लोक भवन रखना सिर्फ़ एक दिखावटी इशारा है? क्या यह लोकतंत्र के सिद्धांतों की आंखों में धूल झोंकने जैसा है? जनता द्वारा चुनी गई सरकारों और जनता की इच्छा पूरी करने वाली संप्रभु विधान सभा का सम्मान करना समय की मांग है। डीएमके प्रमुख ने आगे कहा कि अगर सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं आया तो यह भी अनावश्यक है। उन्होंने तर्क दिया कि जो लोग विधानमंडल की भूमिका का सम्मान नहीं करते, वे राज्यपाल के आवास का नाम बदलकर अपनी क्षतिपूर्ति नहीं कर सकते।

योग मुद्रा से हर्षित हुए लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योग भवन ने छह दशकों से भी अधिक समय से लखनऊ और उसके आसपास के लोगों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार लाने और दु:खी लोगों के उत्थान के लिए अथक सेवा की है। किसी भी संस्थान के लिए छह दशकों से भी अधिक समय तक अस्तित्व में रहना, टिके रहना और लोगों की सेवा करना एक बड़ी उपलब्धि है। योग भवन के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल विष्णु कांत शास्त्री ने 2002 में किया था। योग भवन के 65वें वर्ष के उपलक्ष्य में 29-11-2025 को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गुरु सुधीर शर्मा, जो पिछले 50 वर्षों से योग भवन की देखरेख कर रहे हैं, संस्थान से जुड़े पूर्व योग शिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उन्हें सम्मानित करेंगे।

कार्यक्रम के बाद 'कलाश्री' सैयद शमशुर रहमान और उनके दल द्वारा भगवान

शिव पर आधारित भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किया गया। समन्वयक और योग एवं ध्यान विशेषज्ञ सौमिल शर्मा ने कहा, योग गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित विरासत है, ठीक उसी तरह जैसे भारत विश्व के लिए योग का गुरु है। रोग-मुक्त और तनाव-मुक्त रहने और यौगिक जीवनशैली अपनाने के लिए सभी को प्रतिदिन योग का अभ्यास करना चाहिए। निदेशक अरुणा शर्मा ने कहा, योग और ध्यान समय की मांग है बढ़ते तनाव, अपराध और हिंसा के कारण आज यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और आवश्यक है।

नहीं चली महापौर टीम की, खा गए मात

» मीडिया इलेवन ने 8 विकेट से हराया

» नगर निगम में चले क्रिकेट के जमकर बल्ले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में मीडिया इलेवन ने महापौर इलेवन को 8 विकेट से शिकस्त देकर विजयी आग़ाज़ किया। इस जीत के नायक रहे मयूर शुक्ला, जिन्होंने गेंदबाज़ी में 2 विकेट लेने के साथ 69 रनों की शानदार पारी खेलते हुए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अपने नाम किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए मैच में मीडिया इलेवन के कप्तान हिमांशु दीक्षित ने टॉस जीतकर महापौर इलेवन को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

कप्तान का फैसला बिल्कुल सही साबित हुआ। मैच के दूसरे ओवर में ही मयूर ने ओपनर अनुराग मिश्र 'अन्नू' को कॉट एंड बोल्ड कर दबाव बना दिया। इसके बाद मीडिया इलेवन के गेंदबाज़ों ने लगातार विकेट लेते हुए विपक्षी टीम को बड़ी साझेदारी करने का मौका नहीं दिया। निर्धारित 25 ओवर में महापौर इलेवन 8 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी। शिवपाल सांवरिया ने 47 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 32 रन बनाए। लवकुश ने 16 व मुकेश सिंह ने 14 रनों का योगदान दिया। मीडिया इलेवन की ओर से वैभव तिवारी ने 20 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट लिए। इश्तियाक रज़ा व मयूर शुक्ला ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि मोहसिन को एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीडिया इलेवन ने 18.4 ओवर में दो विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज़ मयूर शुक्ला ने 53 गेंदों पर 9 चौके व 1 छक्का लगाते हुए नाबाद 69 रन बनाए। विवेक चौहान 13* व सुधीर तिवारी 12 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। महापौर इलेवन की ओर से केवल अनुराग मिश्र को एक सफलता मिली।

विपक्ष नहीं, मोदी हैं असली नाटकबाज : अधीर रंजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी की नाटकबाज वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि वे खुद नाटककार हैं, जिससे संसद के शीतकालीन सत्र में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। यह बयान प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष से उत्पादक सत्र सुनिश्चित करने के आग्रह के बाद आया है, जिन्होंने कथित तौर पर बिहार चुनावों में हार के बाद विपक्ष को अशांत और नाटक के इच्छुक बताया था।

अधीर रंजन ने कहा कि मोदी का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। पीएम ने विपक्षी दलों से जनता के हित में एक उत्पादक सत्र सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। मोदी ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नकारात्मकता का राजनीतिक मूल्य हो सकता है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक सोच ज़रूरी है।

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगा भारत

» अफ्रीका के खिलाफ दूसरा वनडे मैच कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। मेजबान टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन अंतरराष्ट्रीय वनडे मैचों की सीरीज जारी है। पहले वनडे मुकाबले में दोनों टीमों ने खूब रनों की बारिश की और अंत में मेजबान भारतीय क्रिकेट टीम ने मैच जीत लिया। अब भारतीय टीम के पास सीरीज में 1-0 की बढ़त है और अगले मुकाबले में टीम इंडिया मैच के साथ-साथ सीरीज पर भी कब्जा करने के इरादे से उतरेगी।

रांची में पहला वनडे जीतकर बढ़त बनाने वाली भारतीय टीम सोमवार शाम रायपुर पहुंच चुकी है। आज दोनों टीमें नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में अभ्यास करेंगी। दक्षिण अफ्रीका दोपहर डेढ़ बजे और भारतीय टीम शाम साढ़े पांच बजे अभ्यास करेगी। बीसीसीआई की क्यूरेटर टीम ने स्टेडियम पर काम संभाल लिया है। उनके अनुसार रायपुर की आउटफील्ड रांची की तुलना में कहीं तेज है नियमित फर्टिलाइजर, पानी और खुली धूप ने इसे बेहतरीन बना दिया है। पिच फिलहाल बल्लेबाजों की मदद करने वाली मानी जा रही है। हालांकि, रात के समय ओस एक बड़ी चुनौती बन सकती है। दूसरी पारी में गेंदबाजों का कंट्रोल कमज़ोर पड़ने की आशंका है। इसी वजह से लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को फायदा मिल सकता है। स्थानीय और बीसीसीआई क्यूरेटर लगातार रोलिंग कर रहे हैं और रात में पिच को ओस से बचाने के लिए कवर किया जा रहा है। दर्शकों के लिए भी इस मैच में एक नया अनुभव जुड़ने जा रहा है। बीसीसीआई की ब्रॉडकास्टिंग टीम ने स्टेडियम के ऊपर स्पाइडर कैम लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह रायपुर में पहली बार होगा। इसके साथ लगभग 40 अतिरिक्त कैमरे भी लगाए जा रहे हैं, ताकि प्रसारण की गुणवत्ता और बेहतर हो सके।

आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए 1355 खिलाड़ियों ने किया रजिस्ट्रेशन

मुंबई। आईपीएल 2026 के मिनी-ऑक्शन के लिए कुल 1,355 खिलाड़ियों ने लंबी सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। ये सूची आईपीएल ने फ्रेंचाइजियों के साथ साझा की गई है और रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 30 नवंबर बताई गई। अब फ्रेंचाइजी इनमें से प्रमुख नामों पर अपनी सहमति जताएंगी और उसके बाद नीलामी के लिए खिलाड़ियों की फाइनल लिस्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 1355 रजिस्टर्ड खिलाड़ियों में से 45 खिलाड़ियों ने सबसे ऊंची श्रेणी यानी दो करोड़ रुपये वाले वर्ग में रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं, मैक्सवेल का नाम इन 1355 खिलाड़ियों की सूची में नहीं है। यानी वह बोली में शामिल नहीं होंगे। यह फैसला चौंकाने वाला है। इनमें प्रमुख नामों में कैमरन ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर, मथीशा पथिराना और वानिंदु हसरंगा शामिल हैं। नीलामी एक दिन की होगी और 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित की जाएगी।

कर्नाटक में कुर्सी की जंग: एकबार फिर ब्रेकफास्ट की टेबल में दिखी जुगलबंदी

सिद्धारमैया-शिवकुमार की दूसरी मीटिंग, दोनों बोले- हम साथ-साथ हैं, भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मंगलवार को शिवकुमार के घर पर ब्रेकफ़ास्ट पर मिले। कर्नाटक में सत्ता की खींचतान के बीच, यह चार दिनों में उनकी दूसरी ऐसी मीटिंग थी। मंगलवार को ब्रेकफ़ास्ट पर हुई मीटिंग शिवकुमार के टीमवर्क पर जोर देने के कुछ ही समय बाद हुई, उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैं और सीएम एक टीम की तरह मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

मैंने मुख्यमंत्री को कल ब्रेकफ़ास्ट पर बुलाया है ताकि कर्नाटक से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए हमारी मिलकर की जाने वाली कोशिशों पर चर्चा की जा सके और उन्हें मज़बूत किया जा सके। यह बातचीत शनिवार को सिद्धारमैया के घर पर हुई एक हाई-लेवल मीटिंग के बाद हुई है। शिवकुमार ने उस चर्चा को काम की बताया था और कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे के रास्ते पर फ़ोकस किया था। यह टकराव कांग्रेस के 2023 के कार्यकाल के दौरान एक कथित पावर-शेयरिंग एग्रीमेंट से पैदा हुआ है, जिसके बारे में कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं का दावा है कि यह शिवकुमार को सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दूसरे हिस्से के लिए मुख्यमंत्री बनने का हक़ देता है। हाल के हफ़्तों में, शिवकुमार के कई सपोर्टर्स ने खुले तौर पर उन्हें टॉप पोस्ट पर प्रमोट करने की मांग की है, जिससे पार्टी के अंदर बेचैनी फैल गई है और दोनों नेताओं के बीच कई स्ट्रेटेजिक मीटिंग्स हुईं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के झगड़े की वजह से कर्नाटक की एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी पूरी तरह से चरमरा गई है। भगवा पार्टी ने यह भी दावा किया है कि कांग्रेस के सात से आठ विधायक और मंत्री सीएम पद की रेस में हैं।

आठ सीनियर विधायक और मंत्री सीएम बनने की होड़ में : विजयेंद्र

कर्नाटक बीजेपी प्रेसिडेंट बीवाई विजयेंद्र ने कहा, मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए मुकाबला दिन-ब-दिन तेज़ होता जा रहा है। मेरे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक, रूलिंग पार्टी के कम से कम सात से आठ सीनियर विधायक और मंत्री किसी तरह सीएम बनने की होड़ में हैं। उन्होंने आगे कहा, राज्य के वोटर्स ने कांग्रेस को साफ़ जनादेश दिया है और बीजेपी को अपोज़िशन में बैठाया है। बीजेपी एक असरदार अपोजिशन के तौर पर काम करेगी और उसका सरकार बनाने का कोई इरादा नहीं है।

जब आलाकमान कहेगा, डीके मुख्यमंत्री बनेंगे : सिद्धारमैया

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को दोहराया कि कांग्रेस नेता एकजुट हैं और मिलकर कांग्रेस सरकार चलाएँगे। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच, डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धारमैया ने कहा,जब आलाकमान कहेगा। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि कोई मतभेद नहीं हैं। डीके शिवकुमार और मैं एकजुट हैं। हम सरकार चला रहे हैं। भविष्य में भी हम एकजुट होकर सरकार चलाएंगे। उन्होंने कहा कि आज डीके शिवकुमार ने मुझे नाश्ते पर बुलाया। मैं आने के लिए तैयार हो गया। आज हम दोनों ने नाश्ता किया और डीके सुरेश भी मौजूद थे... नाश्ते के बाद, हमने विधानसभा सत्र पर चर्चा की। तय हुआ कि 8 दिसंबर को सांसदों की एक बैठक बुलाई जाए। हम किसानों के मुद्दों और राज्य के अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हम दोनों आलाकमान, खासकर राहुल, सोनिया, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए कदमों को स्वीकार करेंगे। अगर वे (पार्टी आलाकमान) हमें (दिल्ली) बुलाते हैं, तो हम ज़रूर जाएँगे। कल मैं केसी वेणुगोपाल से एक समारोह में मिलूँगा जहाँ हम दोनों को आमंत्रित किया गया है।

प्रेम कुमार बने बिहार विस के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और विधायक प्रेम कुमार बिहार विधानसभा के स्पीकर चुने गए हैं। मंगलवार (02 दिसंबर, 2025) को उन्होंने शपथ ली और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव उन्हें आसन तक लेकर गए। इस मौके पर नीतीश कुमार ने प्रेम कुमार को अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

सदन में नीतीश कुमार ने कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज प्रेम कुमार जी को बिहार विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। मैं पूरे सदन की ओर से उनका अभिनंदन करता हूं. मैं सभी दल के नेताओं और सदस्यों को अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन में सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं. मैं सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को भी बधाई देता हूं, डॉ. प्रेम कुमार जी मंत्री के रूप में अच्छा काम करते रहे हैं, उनका अनुभव लंबा है।

उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा, मैं तो अनुरोध करूंगा कि खड़ा होकर इनको प्रणाम कर दीजिएज् खड़ा हो न भाई। इसके बाद प्रेम कुमार को सबने प्रणाम किया. प्रेम कुमार ने भी हाथ जोड़ा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रेम कुमार से कहा, आपके साथ सब अनुभव है। विरोध दल के नेता के तौर पर भी आपने काम किया है. पार्टी में भी संगठन की संरचना में आपने लगातार काम किया है। इसलिए मैं बिहारवासियों की तरफ से अध्यक्ष चुने जाने के लिए आपको बधाई देता हूं।

हादसे का मंगलवार: यूपी में असमय छह की गई जान

बलरामपुर में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की टक्कर, आग लगने से 3 नेपाली यात्रियों की मौत, 24 झुलसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मंगलवार को यूपी में हादसों ने कई की जान ले ली। जहां बलरामपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैसेंजर बस के ट्रक से टकराने और बिजली की लाइन से छू जाने के कारण आग लगने से तीन नेपाली नागरिकों की जान चली गई और 24 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रशासन द्वारा घायलों के इलाज और उनके परिवारों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि बस चालक और कंडक्टर का अभी भी पता नहीं चल पाया है।

बलरामपुर में एक ट्रक और पैसेंजर बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 24 दूसरे घायल हो गए। घायलों में से छह की हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। गौरतलब है कि यह हादसा फुलवरिया बाईपास पर हुआ, जहां सुनौली से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर बस को गर्म कपड़े ले जा रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बस हाई-टेंशन लाइन से टकरा गई, जिससे शॉर्ट सर्किट हो गया और गाड़ी में आग लग गई। टक्कर के कारण कपड़ों से लदे ट्रक में भी आग लग गई, जिसे फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद बुझाया। बस में सवार ज्यादातर यात्री नेपाल के थे। बस ड्राइवर और कंडक्टर का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात करीब दो बजे सोनौली से दिल्ली जा रही नेपाली यात्रियों से भरी एक बस फुलवरिया बाईपास पर एक कंटेनर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर बिजली के ट्रांसफार्मर से जा टकरायी। इससे बस में आग लग गई। इस घटना में तीन यात्रियों की झुलसकर मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि घटना में 24 अन्य यात्री भी झुलस गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनमें से छह की गंभीर हालत के मद्देनजर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया है।

जिलाधिकारी विपिन जैन ने बताया कि घायलों का इलाज कराया जा रहा है। इसके अलावा कुछ लोग मामूली तौर पर जख्मी थे उन्हें दिल्ली एवं नेपाल के लिए रवाना किया जा रहा है। हादसे में घायल लोगों को ले जाने के लिए वाहन एवं टिकट की व्यवस्था करा दी गई है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन घायलों के परिवारों से संपर्क बनाए हुए है। उन्हें हरसंभव सहायता दी जा रही है।

बिजनौर में भीषण हादसा

कंटेनर ने बाइक व पिकअप को रौंदा, तीन की दर्दनाक मौत

शेरकोट में मंगलवार सुबह नेशनल हाईवे पर मुबारकपुर कुंडे के पास हुए भयावह सड़क हादसे ने इलाके को झकझोर दिया। सुबह लगभग 6 बजे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले बाइक सवारों को टक्कर मारी और फिर सामने से आ रही पिकअप वाहन को रौंद दिया। हादसा इतना गंभीर था कि तीनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में रंजीत पुत्र रामशंकर और लाला पुत्र भैया लाल, दोनों निवासी बिछवी गांव, लखीमपुर खीरी, बाइक पर सवार थे। जबकि तीसरा मृतक फिरोज पुत्र मोहम्मद उमर, निवासी नई बस्ती जसपुर (उत्तराखंड), पिकअप वाहन चला रहा था। टक्कर का प्रभाव इतना भीषण था कि कंटेनर बाइक और पिकअप को करीब 30 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। हाईवे की रेलिंग टूटकर बिखर गई, पिकअप पलट गई और बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार बताया गया है।

पांच अवैध शरणार्थियों के गायब होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पुलिस की हिरासत में मौजूद 5 रोहिंग्या शरणार्थी अचानक लापता हो गए हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से भी साफ इनकार कर दिया है।

दरअसल 16 दिसंबर को रोहिंग्या शरणार्थियों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई, जिसमें पांच गुमशुदा रोहिंग्या शरणार्थियों के मामले पर भी 16 दिसंबर को सुनवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी कि केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए इसका जवाब मांगा जाए, लेकिन कोर्ट ने इस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है।

हवा में मार्ग प्रकाश विभाग में ट्रांसफर आदेश

छह महीने बाद भी कुर्सी से चिपके सहायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में ट्रांसफर आदेशों की अनदेखी का मामला एक बार फिर चर्चा में है। मार्ग प्रकाश विभाग में तैनात सहायक अभियंता ईशान कुमार को शासन द्वारा 14 जून 2025 को आगरा नगर निगम स्थानांतरित किया गया था।

वहीं आगरा नगर निगम से सहायक अभियंता अभिजीत यादव का स्थानांतरण लखनऊ किया गया, जिन्होंने नगर निगम लखनऊ में मार्ग प्रकाश विभाग में विधिवत कार्यभार ग्रहण भी कर लिया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि ट्रांसफर के छह महीने बीत जाने के बाद भी सहायक अभियंता ईशान कुमार ने न तो आगरा के लिए कार्यमुक्ति ली और न ही विभाग छोड़ने की जहमत उठाई। निदेशक के आदेश के बावजूद वह अपनी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सूत्र बताते हैं कि मार्ग प्रकाश विभाग में ईशान कुमार की पकड़ इतनी मजबूत है कि ठेकेदारों से मिलीभगत कर उन्होंने करोड़ों की संपत्तियाँ तक खड़ी कर ली हैं, जिसके चलते उनकी पोस्टिंग क्षेत्र में लगातार बनी हुई है। इसी वजह से वे आगरा स्थानांतरण को मानने से टालमटोल कर रहे हैं। नगर निगम में यह चर्चा भी तेज है कि जब एक निदेशक अनुज झा का आदेश लागू नहीं होता, तो फिर शासन की कार्रवाई और मुख्यमंत्री की ज़ीरो टॉलरेंस नीति कहाँ लागू होती है? प्रशासनिक कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं कि एक इंजीनियर महीनों तक आदेश की अवहेलना करता है और अधिकारी मूकदर्शक बने रहते हैं।

यूपी में एसआईआर में लगे एक और बीएलओ की हुई मौत

हाथरस की तहसील सिकंदराराऊ में थे तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे एक बूथ लेबल अधिकारी (बीएलओ) की मंगलवार सुबह अचानक मौत हो गई। यह घटना हाथरस जिले की है। मृतक बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया है कि एसआईआर के दौरान अधिकारियों द्वारा लगातार दबाव और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी।

मिली जानकारी के मुताबिक 40 साल के बीएलओ कमलकांत शर्मा की मंगलवार सुबह अचानक मौत हो गई। वो हाथरस की

तहसील सिकंद्राराऊ के ब्राह्मणपुरी मोहल्ले के निवासी थे। बताया जा रहा है कि सुबह छत से सीढ़ियों से नीचे उतरते समय उन्हें अचानक चक्कर आया और वे नीचे गिर पड़े। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल पास के अस्पताल ले गए।

वहां से डॉक्टरों ने उन्हें अलीगढ़ रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कमलकांत शर्मा पुत्र देवेंद्र कुमार शर्मा गांव नावली लालपुर में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। वर्तमान में वो बीएलओ की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। बीएलओ की पत्नी नीलम शर्मा ने बताया कि उनके पति पर काम का अत्यधिक दबाव था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के लगातार फोन आ रहे थे। नीलम शर्मा के मुताबिक मैंने कई बार समझाया कि काम का इतना प्रेशर मत लो, लेकिन वे मानते नहीं थे। सुबह अचानक चक्कर आकर गिर पड़े और फिर वापस नहीं लौटे। शर्मा के परिवार पत्नी के अलावा चार बच्चे हैं। बीएलओ की मौत की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com ।
website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।